

ও বৌদি তোর কি হয়েছে চোখে কেন অল
দাদার তরে মন বুঝি তোর হয়েছে উতল ॥

তোর দিখি দেখেছি স্বপনে
যেন দাদা কথা কইতেছে তোর সনে
ও দেখিস তোরা আমার স্বপন হবে না বিফল ॥

তোর কান্নার সাগরে মর্ষন উঠেছে জোয়ার
বৌদি নো তোর চাঁদ উঠিবার নাইরে দেবী আর ।

ও বৌদি তোর চোখের জলের টানে
আমার দাদার সোনার তরী আসতেছে উজানে
দেখ বাটনা ফেলে হাসছে দিদি চন্ ও-বরে চন্ ॥

TWIN FT. 13887 ॥ শিল্পী : বেলারাণী ॥ সুর : চিত্ত রায় বি. এসসি. ॥ নৃত্য-সহজিত ।। ভাঙ্গ-ফেরতা

গা -না I গরা ম-পা পা | -না পা -না I পধা: ধ: -পা | মগা যা -না I
ও ০ ব০ উ দি ০ তো র্ কি০ হ ০ রে০ ছে ০

I ধা -গা ধগা | -পধা: ন: গা I স'গা: -ধ: -ধগা | -পধপা মগা -না I
চো ০ খে০ ০০ কে ন জ ০ ০০ ০০ল্ ৩০ ০

I মপা -না পা | -না -না পা I পধা ধা -পা | মগা যা -না I
ব০ উ দি ০ ০ তোর্ কি০ হ ০ রে০ ছে ০

I ধা -না ধগা | -পধা: ন: গা I স'গা: -: প-ধা | -না -না -না I
চো ০ খে০ ০০ কে ন জ০ ০ ০ ল্ ০ ০

I {ধা ধা -না | সী র্গী -রা I ধা -সী বা ধা পরা -পা I
 বা না হু ত রেO O ন ন্ ব্ ষি ভেO O

I বা: -প: প্ধা | প্ধা বা গা I (রা -না -না | -না -না -না) I
 O হু হ য়ে ছে উ ত O O হু O O

I প্ধা -না -না | -না গা -না II
 ত হু O O "ও O"

পা-ধা II {প্ধা: -প: পা: | -: -না -না I প্ধা না -না | সী রা -র্গী I
 ভে হু দি O ষি O O দে বে O ছি য় O

I সনা -খনা সী | -না সী না I সী -রা রা | -না রা সী I
 পO OO নে O য়ে ন দা O দা O ক ধা

[-না -না]
 O O

I রা -না র্গী | রা সী -না I নসী -না প্ধা: | -প: (পা -ধা) I I
 ক ই ভেO ছে ভে হু সO O নে O ভে হু

I {ধা ধা -সী | না সী -র্গী I ধা ধা -পা | ধা সী -ধা I
 দে ষি হু ভে রাO OO আ না হু ত পO Oন্

[পা -ধা]
 "ও O"

I পধা পধা -না | বা: গ: না I গরা -না -না | -না (-না -না) II
 হO বেO O না O ষি কO O হু O O O

পা: -প: II { পা -না পা | -না গা -না I ধপা ধা -না | পা পরা -ধপা I
 ভে হু কা হু না হু না O গO রে O য় খO Oন্

I বা: -র: -+ | -+ (পা -+); I গা -বা | যপা -+ পা | -+ -+ পা I
 ৬ ০ ০ ল্ মে ষ্ ৩ ০ ব০ উ দি ০ ০ তোহ

জুত কাহারবা :

I পধা ধপা যগা বা | ধা ধপা -পধা পধা I গা -ধপা -পধপা যগমা | যপা পা -+ পা I
 কি০ হ০ য়ে০ ছে চো খে০ ০০ কেন জ ০০ ০০ল্ ৩০০ বউ দি ০ তোহ

*

I পধা ধপা যগা বা | ধা ধপা -পধা পধা I ^সপা: -ধ: -ধপা -পধপা | -+ -+ -+ -+ II II
 কি০ হ০ য়ে০ ছে চো খে০ ০০ কেন জ ০ ০০ ০০ল্ ০ ০ ০ ০

* গান এখানেই শেষ হয়েছে । বুখে প্রত্যাবর্তন নাই ।